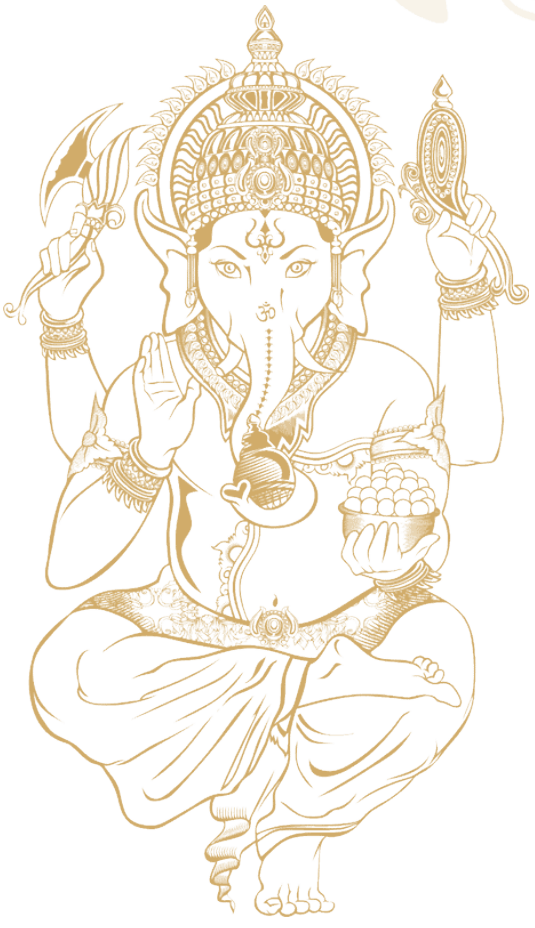

Nishant sharma

Shubhangi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120920001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120920001 Date: 13/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/02/1995	जन्म तिथि	23/03/1998
बुधवार	दिन	सोमवार
घंटे 21:00:00	जन्म समय	08:48:00 घंटे
घटी 35:14:44	जन्म समय(घटी)	06:04:04 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Jaipur
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:54:06	सूर्योदय	06:28:06
18:15:41	सूर्यास्त	18:39:02
23:47:33	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:50

कन्या	लग्न	मेष
बुध	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
वृश्चिक	राशि	मकर
मंगल	राशि-स्वामी	शनि
अनुराधा	नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
शनि	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
3	चरण	2
व्याघात	योग	परिघ
कौलव	करण	वणिज
नू-नूर	जन्म नामाक्षर	भो-भोली
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
विप्र	वर्ण	वैश्य
कीटक	वश्य	जलचर
मृग	योनि	नकुल
देव	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 7वर्ष 11मा 17दि		16:35:02	कन्या	लग्न	मेष	23:15:59	सूर्य 4वर्ष 2मा 16दि	
केतु		09:44:52	कुंभ	सूर्य	मीन	08:27:40	राहु	
09/02/2020		11:04:41	वृश्चि	चंद्र	मक	00:38:22	09/06/2019	
09/02/2027		25:03:21	कर्क व	मंगल	मीन	20:22:25	08/06/2037	
केतु	08/07/2020	13:57:20	मक	बुध	मीन	26:15:17	राहु	19/02/2022
शुक्र	07/09/2021	19:26:17	वृश्चि	गुरु	कुंभ	17:19:02	गुरु	14/07/2024
सूर्य	13/01/2022	26:32:30	धनु	शुक्र	मक	22:04:17	शनि	21/05/2027
चन्द्र	14/08/2022	19:49:14	कुंभ	शनि	मीन	26:50:26	बुध	08/12/2029
मंगल	10/01/2023	14:02:32	तुला व	राहु	सिंह	16:33:11	केतु	26/12/2030
राहु	28/01/2024	14:02:32	मेष व	केतु	कुंभ	16:33:11	शुक्र	26/12/2033
गुरु	03/01/2025	04:40:54	मक	हर्ष	मक	17:41:28	सूर्य	20/11/2034
शनि	12/02/2026	00:40:46	मक	नेप	मक	07:50:54	चन्द्र	21/05/2036
बुध	09/02/2027	06:47:09	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	14:11:34	मंगल	08/06/2037

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:33 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:50

लग्न-चलित

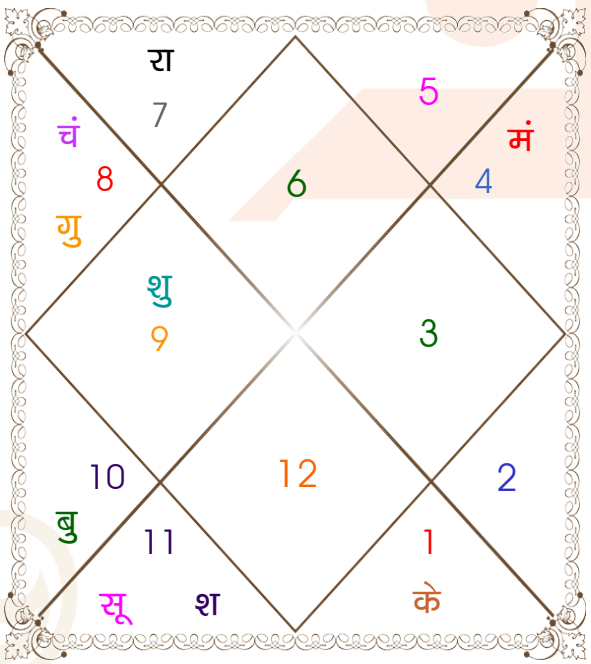

लग्न-चलित

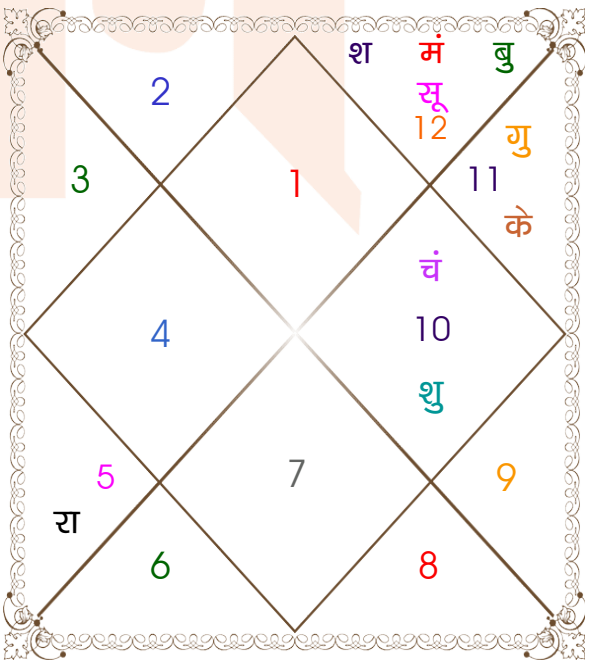

Acharya Ashok Shukla Vedpathi Shiva Shiv Astrology Research Centre
Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

कुल : **27 / 36**

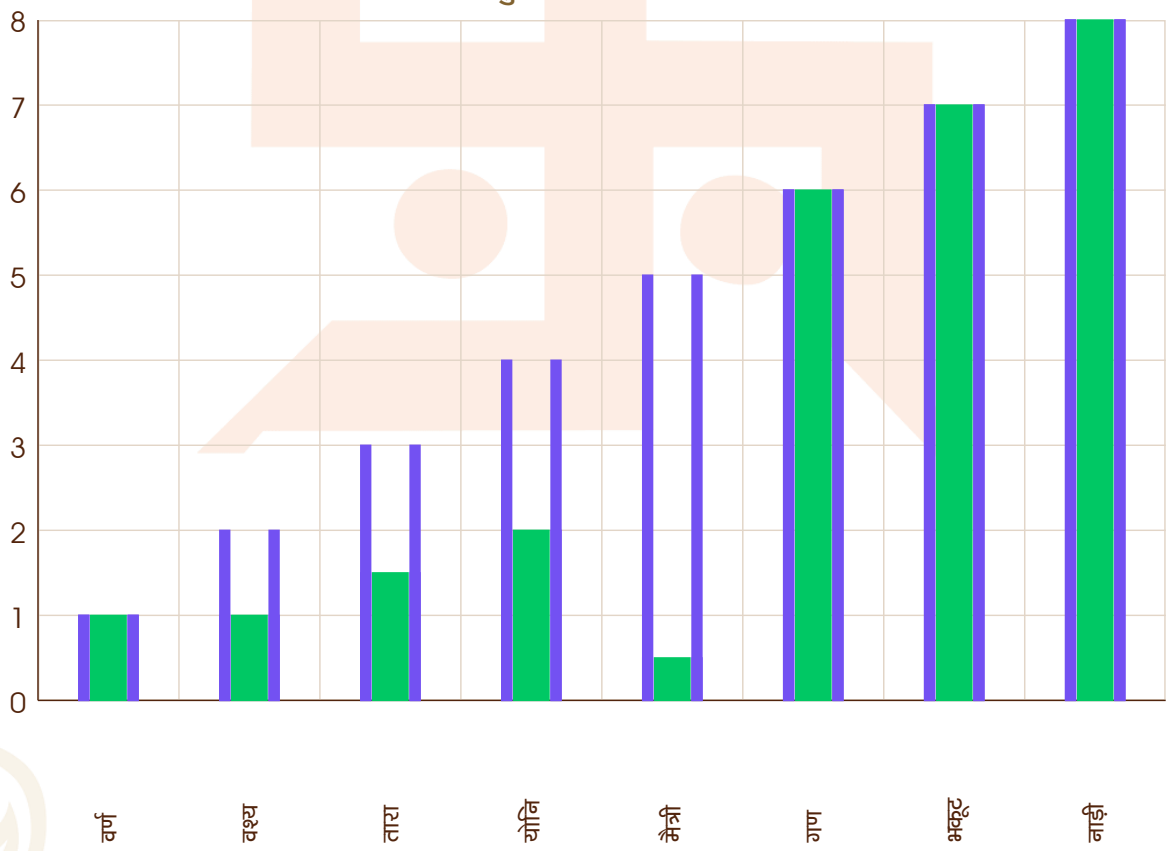

अष्टकूट मिलान

छर्पींदज ॅीतउं का वर्ग सर्प है तथा Shubhangi का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार छर्पींदज ॅीतउं और Shubhangi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

छर्पींदज ॅीतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Shubhangi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि छर्पींदज ॅीतउं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

छर्पींदज ॅीतउं तथा Shubhangi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Acharya Ashok Shukla Vedpathi   Shiva Shiv Astrology Research Centre
Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

छर्पोंदज ोंतउं का वर्ण ब्राह्मण तथा Shubhangi का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Shubhangi सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी। Shubhangi मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेंगी।

वश्य

छर्पोंदज ोंतउं का वश्य कीट है एवं Shubhangi का वश्य चतुष्पद है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। चतुष्पद एवं कीट दो भिन्न प्राणी हैं। किंतु दोनों का प्रकृति में सह-अस्तित्व है। दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग होते हुए भी दोनों एक-दूसरे के लिए घातक नहीं होंगे। इसी प्रकार, छर्पोंदज ोंतउं चतुष्पद अर्थात् पशु एवं Shubhangi कीट वश्य की होने के कारण दोनों के स्वभाव, व्यवहार, गुण, पसंद/नापसंद में अंतर होते हुए भी दोनों के बीच वैवाहिक संबंध सामान्य ही रहने की प्रबल संभावना है। दोनों का स्वभाव गंभीर एवं संकोची रहेगा तथा दोनों सौहार्दता एवं प्रेम से अपना जीवन यापन करते रहेंगे।साथ ही अपने-अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

छर्पोंदज ोंतउं की तारा साधक तथा Shubhangi की तारा प्रत्यरि है। Shubhangi की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह छर्पोंदज ोंतउं एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Shubhangi का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Shubhangi के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। छर्पोंदज ोंतउं अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

छर्पोंदज ोंतउं की योनि मृग है तथा Shubhangi की योनि नकुल है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध

संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में छपींदज ोितउं का राशि स्वामी Shubhangi के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Shubhangi का राशि स्वामी छपींदज ोितउं के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

छपींदज ोितउं का गण देव तथा Shubhangi का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Shubhangi अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

छपींदज ोितउं से Shubhangi की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Shubhangi से छपींदज ोितउं की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण छपींदज ोितउं अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले

होंगे। दूसरी ओर Shubhangi सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

छर्पींदज`ींतउं की नाड़ी मध्य है तथा Shubhangi की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण छर्पींदज`ींतउं एवं Shubhangi के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

छर्पींदज ेंितउं की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि तथा Shubhangi की पृथ्वी तत्व युक्त मकर राशि है। जल एवं पृथ्वी तत्व में समानता के कारण छर्पींदज ेंितउं और Shubhangi के मध्य स्वाभाविक समानताएं विद्यमान रहेंगी फलतः इनका वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा।

छर्पींदज ेंितउं की जन्म राशि का स्वामी मंगल तथा Shubhangi की राशि का स्वामी शनि परस्पर शत्रु एवं समराशि में स्थित है। सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं रहेगी। इसके प्रभाव से छर्पींदज ेंितउं और Shubhangi एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर संबंधों में तनाव तथा कटुता में वृद्धि होगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति श्रेष्ठता एवं आलोचनात्मक दृष्टि कोण भी रहेगा। अतः यदि छर्पींदज ेंितउं और Shubhangi परस्पर सामंजस्य की प्रवृति से व्यवहार करें तो इसमें किंचित शुभता आ सकती है।

छर्पींदज ेंितउं एवं Shubhangi की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके शुभ प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम स्नेह तथा समर्पण के भाव की उत्पति होगी जिससे संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करेंगे। अतः छर्पींदज ेंितउं और Shubhangi का वैवाहिक जीवन सुख एवं शांति पूर्वक व्यतीत होगा।

छर्पींदज ेंितउं का वश्य कीट तथा Shubhangi का वश्य जलचर है। कीट एवं जलचर के मध्य नैसर्गिक समता होने के कारण छर्पींदज ेंितउं और Shubhangi की अभिरूचियां समान होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताओं में भी समता रहेगी। अतः दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे।

छर्पींदज ेंितउं का वर्ण ब्राह्मण तथा Shubhangi का वर्ण वैश्य है। अतः इनकी कार्य क्षमताएं समान होंगी। छर्पींदज ेंितउं की प्रवृति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्य कलापों के प्रति रहेगी तथा Shubhangi धनार्जन संबधी कार्यो में रूचिशील होंगी। फलतः इनका कार्य क्षेत्र सुदृढ़ता से युक्त रहेगा।

धन

छर्पींदज ेंितउं और Shubhangi की तारा परस्पर सम हैं इसको दोनों की आर्थिक स्थिति पर कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन अर्जित करने में ये तत्पर रहेंगे। इनकी राशियां भी परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती हैं जो आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ तथा सम्पन्न बनाए रखने में शुभ रहेगी।

मंगल का यदाकदा Shubhangi की आर्थिक स्थिति पर अच्छा प्रभाव नहीं रहेगा लेकिन समान्य हानि या प्रभाव के अतिरिक्त आर्थिक स्थिति पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। Shubhangi को जीवन में अत्यंत धन तथा सम्पत्ति के प्राप्ति की प्रबल सम्भावना रहेगी लेकिन मंगल के अशुभ प्रभाव के कारण Shubhangi की प्रवृति यदाकदा अनावश्यक तथा अधिक व्यय करने की होगी तथा भौतिक सुख संसाधनों पर भी व्यर्थ व्यय करेंगी अतः Shubhangi को ऐसी प्रवृति की उपेक्षा करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

छर्पींदज ींतउं की नाड़ी मध्य तथा Shubhangi की नाड़ी अन्त्य है अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्यतया स्वास्थ्य अनुकूल ही रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से छर्पींदज ींतउं का स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे वह रक्त तथा पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं हृदय रोग से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही दाम्पत्य जीवन में संभोग शक्ति की अल्पता का भी आभास होगा जिससे जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न होगी। अतः मंगल के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रहने के लिए छर्पींदज ींतउं को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के व्रत भी करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से छर्पींदज ींतउं और Shubhangi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Shubhangi के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्य मान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Shubhangi को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबंधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

छर्पींदज ींतउं और Shubhangi बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः छर्पींदज ींतउं और Shubhangi का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Shubhangi के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्वांत Shubhangi के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Shubhangi अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Shubhangi के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

छर्पींदज ॅीतउं के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को छर्पींदज ॅीतउं अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी छर्पींदज ॅीतउं के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण छर्पींदज ॅीतउं के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।